

परिष्कृत वि. (तत्.) 1. साफ किया हुआ, शुद्ध किया हुआ, परिष्कार किया हुआ 2. धुला या माँजा हुआ 3. सज्जा-सँवारा हुआ, अलंकृत 4. स्वादिष्ट बनाया हुआ भोजन 5. सुधारा हुआ।

परिष्कृता स्त्री. (तत्.) यज्ञ के लिए शुद्ध की गई भूमि।

परिष्कृति स्त्री. (तत्.) परिष्कार, परिष्कृत होने की अवस्था या भाव।

परिष्क्रिया स्त्री. (तत्.) 1. शुद्ध करना, शोधन करना 2. माँजना, धोना 3. सँवारना, सजाना, सज्जा करना, अलंकृत करना।

परिष्टयन पुं. (तत्.) 1. भली प्रकार प्रशंसा करना, तारीफ करना 2. सम्यक् प्रकार से स्तुति करना।

परिष्टोम पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का स्तुतियुक्त सामगान 2. हाथी की पीठ पर डाला जाने वाला सुंदर वस्त्र, झालर 3. आवरण, आच्छादन 4. गद्दा।

परिष्ठल पुं. (तत्.) 1. चारों ओर की भूमि, पार्श्वस्थ, भूमि, आस-पास की भूमि।

परिष्पंद पुं. (तत्.) 1. स्पंदन, हिलना-डुलना, प्रकंपन 2. सजावट, सिंगार, पुष्प आदि से केश सज्जा 3. परिष्कार 4. निर्वाह के साधन 5. अनुचर वर्ग 6. कुचलना।

परिष्यंद पुं. (तत्.) 1. धारा, प्रवाह, बहाव 2. नदी, दरिया 3. टापू, द्वीप।

परिष्यंदी वि. (तत्.) प्रवहमान, बहता हुआ।

परिष्वंग पुं. (तत्.) आलिंगन, गले लगाना।

परिष्वक्त वि. (तत्.) आलिंगित, जिसका आलिंगन किया गया हो।

परिसंख्या स्त्री. (तत्.) 1. गिनती, गणना 2. अर्थालंकार का एक प्रकार, जिसमें किसी वस्तु का एक स्थान से निषेध करके दूसरे स्थान पर उसका स्थापन हो 3. मीमांसा दर्शन में वह विधान जिससे विहित के अतिरिक्त अन्य का निषेध हो।

परिसंख्यात वि. (तत्.) 1. जिसकी गणना की गई हो 2. परिसंख्या के योग्य, उल्लेखनीय, गणनीय।

परिसंख्यान पुं. (तत्.) 1. गिनती, गणना, परिसंख्या 2. विशेष वस्तु का निर्देश 3. ठीक अनुमान, सही निर्णय 4. दे. अनुसूची।

परिसंचार पुं. (तत्.) सृष्टि के प्रलय का समय।

परिसंचित वि. (तत्.) एकत्र किया हुआ, संचय किया हुआ।

परिसंवाद पुं. (तत्.) विचार-विमर्श, प्रश्नोत्तर।

परिसभ्य पुं. (तत्.) सभासद, सदस्य।

परिसमापक पुं. (तत्.) परिसमापन करने वाला अधिकारी।

परिसमापन पुं. (तत्.) किसी कार्य का पूर्णतः समाप्त होना, परिसमाप्ति, पूरा होना।

परिसमाप्त वि. (तत्.) एकदम समाप्त, निश्शेष।

परिसमाप्ति स्त्री. (तत्.) दे. परिसमापन।

परिसर पुं. (तत्.) 1. जुड़ा या मिला हुआ, सटा हुआ 2. विस्तृत, फैला हुआ, व्यास पुं. 1. किसी स्थान विशेष के आस-पास की भूमि जैसे- विश्वविद्यालय परिसर, उत्तरी परिसर 2. मृत्यु 3. विधि, विधान, नियम 4. नाड़ी 5. अवसर, स्थिति 6. एक देवता 9. हिलना-डुलना, इधर-उधर डोलना।

परिसरण पुं. (तत्.) 1. चारों ओर घूमना, चारों ओर बहना या चलना 2. पर्यटन 3. पराजय, हार, पराभव 4. मृत्यु, मौत 5. दे. रसाकर्षण।

परिसर्प पुं. (तत्.) 1. चारों ओर जाना या घूमना, परिक्रमण, परिक्रमा 2. टहलना, चलना, घूमना 3. किसी की खोज करना, पीछा करना 4. एक प्रकार का साँप 5. किसी को घेरना, आवेष्टित करना 6. सुश्रुत के अनुसार निर्दिष्ट ग्यारह प्रकार के कुष्ठों में से एक।

परिसर्पण पुं. (तत्.) 1. चलना, टहलना, घूमना 2. रेंगना, सर्प की तरह चलना 3. इधर-उधर आना जाना, आवागमन।